महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान - म.प्र.

पहल

ई–समाचार पत्र (मासिक) – इकहत्तरवां संस्करण (माह नवम्बर, 2021)

➔ "पहल" के इस संस्करण में .....

1. अपनी बात ....
2. वाइब्रेंट (जीवंत) हों ग्राम सभाएँ
3. प्रमुख सचिव महोदय, मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अध्यक्षता में समस्त विभागीय प्रशिक्षण संस्थानों/केन्द्रों की समीक्षा बैठक
4. गांधीवादी विचारक डा. एसएन सुब्बाराव का निधन चंबल को कराया था डकैतों से मुक्त
5. पौधारोपण एक मुहिम "पेड़ है तो कल है"
6. ग्रामीण विकास में सहायक है मास्टर रिसोर्स परसन (एमआरपी)
7. कोविड–19 के संक्रमण के बचाव हेतु किये गये कार्य
8. सफलता की कहानी
9. "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" – काव्य रचना

प्रकाशन समिति

संरक्षक एवं सलाहकार
श्री उमाकांत उमराव (IAS)
प्रमुख सचिव,
मध्यप्रदेश शासन
पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग

प्रधान संपादक
श्री संजय कुमार सराफ,
संचालक,
महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास
एवं पंचायतराज संस्थान–म.प्र., जबलपुर

सह संपादक
श्रीमती सुनीता चौबे,
उप संचालक, म.गां.रा.ग्रा.वि.पं.रा.स.–म.प्र., जबलपुर

ई–न्यूज के सम्बन्ध में अपने फीडबैक एवं आलेख छपवाने हेतु कृपया इस पते पर मेल करें–mgsirdpahal@gmail.com
Our official Website : www.mgsird.org, Phone : 0761-2681450 Fax : 761-2681870
Designed & Developed By : Mr. Jay Kumar Shrivastava, Programmer, MGSIRD&PR, JABALPUR

अपनी बात...

''पहल'' मासिक ई–न्यूज लेटर का इकहत्तरवां संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है, जो वर्ष 2021 का ग्यारहवां मासिक संस्करण है।

इस संस्करण में दिनांक 26 अक्टूबर 2021 को प्रमुख सचिव महोदय, मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अध्यक्षता में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) अंतर्गत समस्त विभागीय प्रशिक्षण संस्थानों/केन्द्रों की समीक्षा बैठक मंत्रालय, वल्लभ भवन भोपाल में आयोजित की गई, जिसे **''प्रमुख सचिव महोदय, मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अध्यक्षता में समस्त विभागीय प्रशिक्षण संस्थानों/केन्द्रों की समीक्षा बैठक''** एवं ''सबकी योजना–सबका विकास'' जन–अभियान में हुई 6 राज्यों के पंचायत प्रतिनिधियों की कार्यशाला भोपाल में आयोजित की गई, जिसे **''वाइब्रेंट (जीवंत) हों ग्राम सभाएँ''** समाचार आलेख के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

इसके साथ–साथ **''गांधीवादी विचारक डा. एसएन सुब्बाराव का निधन चंबल को कराया था डकैतों से मुक्त''**, **''पौधारोपण एक मुहिम – पेड़ है तो कल है''**, **''ग्रामीण विकास में सहायक है मास्टर रिसोर्स परसन (एमआरपी)''**, **''कोविड–19 के संक्रमण के बचाव हेतु किये गये कार्य''**, **''सफलता की कहानी''** एवं **''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ – काव्य रचना''** आदि आलेखों को शामिल किया गया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि 'पहल' का यह संस्करण आपको अत्यंत रूचिकर, नवीन उपयोगी एवं आवश्यक जानकारी प्रदान करने वाला रहेगा।

शुभकामनाओं सहित।

संजय कुमार सराफ
संचालक

वाइब्रेंट (जीवंत) हों ग्राम सभाएँ

गाँवों की आवश्यकताओं के अनुरूप लें संकल्प और उन्हें पूरा करें –

''सबकी योजना–सबका विकास'' जन–अभियान में हुई 6 राज्यों के पंचायत प्रतिनिधियों की कार्यशाला आयोजित की गई।

ग्रामों के सतत संवहनीय एवं समावेशी विकास के लिए उनका वाइब्रेंट (जीवंत) होना आवश्यक है। केंद्र सरकार ने सभी राज्य सरकारों के साथ मिलकर इस संबंध में पहल की है। हर ग्राम, जनपद एवं जिला पंचायत के विकास की योजनाएँ बनाई जा रही हैं। हमें संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सम्वहनीय विकास के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

ग्राम पंचायतें अपनी विकास योजना बनाने के दौरान संकल्प लें कि वे अपने गाँवों में कौन–कौन से कार्य करना चाहती हैं। साथ ही गत वर्ष लिए गए संकल्पों की पूर्ति की समीक्षा करें। विभिन्न शासकीय विभाग योजनाओं का क्रियान्वयन करें तथा ग्राम सभाओं में ग्राम पंचायतों द्वारा कार्यों की मॉनिटरिंग हो।

भारत सरकार पंचायती राज मंत्रालय के सचिव श्री सुनील कुमार ने आज ''सबकी योजना–सबका विकास'' जन–अभियान वर्ष 2021–22 में मध्यप्रदेश सहित 6 राज्य के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारियों की दो–दिवसीय कार्यशाला में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से यह बात कही। कार्यशाला का आयोजन प्रशासन अकादमी, भोपाल में केन्द्रीय, पंचायती राज मंत्रालय

तथा राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा किया गया है।

अधिकारी ग्राम सभाओं में समुचित प्रस्तुतिकरण दें –

श्री सुनील कुमार ने कहा कि विभिन्न विभागों के अधिकारी ग्राम सभाओं में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों तथा विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन का समुचित प्रस्तुतिकरण दें। गत 2 अक्टूबर से देश में 14 हजार ग्राम सभाएँ आयोजित की गईं, उनमें अधिकारियों की उपस्थिति संतोषजनक नहीं थी। केवल 42 प्रतिशत ग्राम सभाओं में ही कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित हुए। इस संबंध में राज्य सरकारों को पत्र भी लिखा जा रहा है।

ई–ग्राम स्वराज पोर्टल –

भारत सरकार द्वारा ई–ग्राम स्वराज पोर्टल प्रारंभ किया गया है। इस पर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी संक्षिप्त रूप में दर्ज की जा रही है।

कार्यशाला में मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा तैयार की गई सहभागी ग्राम विकास नियोजन प्रक्रिया के संबंध में ट्रेनिंग मैन्युअल का विमोचन एवं ग्राम पंचायत विकास योजना संबंधी लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

शुभारंभ–सत्र में भारत सरकार पंचायती राज मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती रेखा यादव, एनआईआरडीपीआर हैदराबाद के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. केथेरिसन, संचालक पंचायत श्री आलोक कुमार सिंह उपस्थित थे। कार्यशाला में पंचायती राज संस्थानों को सौंपे गये 29 विषयों के संबंध में 18 लियन विभागों के मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, पंजाब, उत्तरप्रदेश, हरियाणा तथा बिहार राज्यों के अधिकारी एवं पंचायत पदाधिकारी शामिल हुए।

सुरेन्द्र प्रजापति
संकाय सदस्य

प्रमुख सचिव महोदय, मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अध्यक्षता में समस्त विभागीय प्रशिक्षण संस्थानों/केन्द्रों की समीक्षा बैठक

दिनांक 26 अक्टूबर 2021 को प्रमुख सचिव महोदय, मध्यप्रदेश शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अध्यक्षता में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) अंतर्गत समस्त विभागीय प्रशिक्षण संस्थानों/केन्द्रों की समीक्षा बैठक मंत्रालय, वल्लभ भवन भोपाल में आयोजित की गई।

सर्वप्रथम श्री आलोक कुमार सिंह, संचालक, पंचायतराज संचालनालय, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा प्रमुख सचिव महोदय एवं उपस्थित समस्त अधिकारियों का अभिवादन किया गया। तत्पश्चात आयोजित बैठक के पूर्व से निर्धारित एजेंडे का संक्षिप्त विवरण दिया गया।

बैठक में पूर्व निर्धारित एजेण्डे अनुसार विस्तृत चर्चा की गई एवं प्रमुख सचिव महोदय, मध्यप्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा अनुमोदित प्रशिक्षण बजट का समयावधि में उपयोग कर वर्तमान वित्तीय वर्ष के आगामी 5 माहों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तृत कार्ययोजना और रणनीति तैयार कर अधिक से अधिक प्रशिक्षण सत्रों को चलाये जाने के निर्देश समस्त प्रशिक्षण संस्थान/केन्द्र प्रमुखों को दिये।

इस बैठक में संचालक, जल एवं भूमि प्रबंधन, भोपाल, संचालक, महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान, मध्यप्रदेश जबलपुर, संचालक, संजय गांधी युवा नेतृत्व ग्रामीण विकास संस्थान, पचमढ़ी, जिला होशंगाबाद, प्राचार्य, क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, नौगांव जिला छतरपुर, सिवनी एवं प्राचार्य पंचायत सचिव प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौर, उज्जैन, शिवपुरी, मुलताई जिला बैतूल उपस्थित रहे।

जय कुमार श्रीवास्तव
प्रोग्रामर

गांधीवादी विचारक डा. एसएन सुब्बाराव का निधन
चंबल को कराया था डकैतों से मुक्त

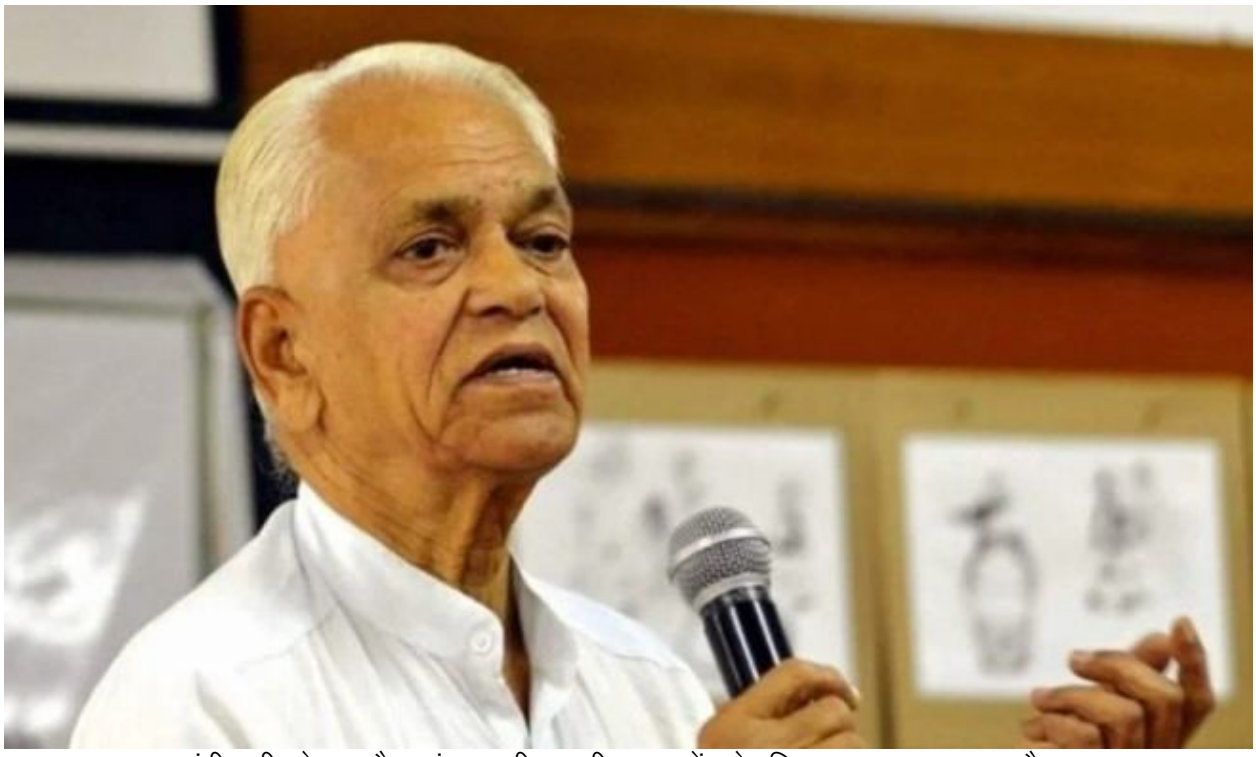

प्रख्यात गांधीवादी नेता और चंबल की धरती को डकैतों के आतंक से मुक्ति दिलाने वाले डा. एसएन सुब्बा राव का निधन 92 वर्ष की उम्र में दिनांक 27 अक्टूबर 2021 को हो गया। डा. एसएन सुब्बा राव चंबल में आतंक का पर्याय बन चुके डाकुओं का सामूहिक सरेंडर करवाने के बाद चर्चाओं में आए थे।

डा एसएन सुब्बा राव का पूरा जीवन समाजसेवा को समर्पित रहा है। डा सुब्बा राव ने 14 अप्रैल 1972 को गांधी सेवा आश्रम जौरा में 654 डकैतों का समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण एवं उनकी पत्नी प्रभादेवी के सामने सामूहित आत्मसमर्पण कराया था। इनमें से 450 डकैतों ने जौरा के आश्रम में, जबकि 100 डकैतों ने राजस्थान के धौलपुर में गांधीजी की तस्वीर के सामने हथियार डालकर समर्पण किया था।

ग्वालियर चंबल में डा सुब्बा राव साथियों के बीच भाईजी के नाम से प्रसिद्ध थे। डा सुब्बा राव ने जौरा में गांधी सेवा आश्रम की नींव रखी थी, जो अब श्योपुर तक गरीब व जरूरतमंदों से लेकर कुपोषित बच्चों के लिए काम कर रहा है। डा सुब्बा राव ने श्योपुर के त्रिवेणी संगम घाट पर गांधी जी की तेरहवी का आयोजन शुरू करवाया था। आदिवासियों को मूल विकास की धारा में लाने के लिए वह अपनी टीम के साथ लगातार काम करते रहे हैं।

डॉक्टर एसएन सुब्बाराव आजादी के बाद के असली आजादी का अर्थ समझाने वाले महानायक और हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सच्चे प्रतिनिधि के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने गांधीजी के रहते हुए गांधी जी का साथ दिया था, उनके जाने के बाद भी उनके पद चिन्हों पर चलते रहे और अधूरे रहे कामों को भी पूरा करने की जिम्मेदारी ली। एक तरह से देखा जाए तो डॉक्टर एसएन सुब्बाराव पुरुषार्थ की जलती हुई एक मशाल के रूप में थे।

इन्होने भारत में सोशल वर्कर का काम किया था। साथ ही साथ ये फॉर्मर गवर्नर भी रह चुके थे। सोशल वर्कर के रूप में इसके द्वारा कई कार्य किये गए और इन्होंने कई डकेतो को सामूहिक सरेंडर

करवाया था, जिसकी वजह से इन्हे पदमश्री पुरष्कार से नवाजा गया था।

डॉ. सुब्बाराव का सम्पूर्ण जीवन जो समाज सेवा में ही बीत गया। इन्होने महात्मा गाँधी जी से प्रेरणा लेकर अपना सम्पूर्ण जीवन सोशल वर्कर के रूप में ही गुजार दिया। इनके जीवन में समाजसेवी के रूप में सबसे बड़ा कार्य 654 डकेतो को सामूहिक समर्पण करवाने का था। 654 में से 450 डकेतों ने जोरो आश्रम में समाजसेवी जय प्रकाश और उनकी धर्मपत्नी प्रभादेवी के सामने समर्पण किया था। बाकी पीछे बचे 100 से अधिक डकेतो ने अपना समर्पण राजस्थान के धौलपुर में गांधीजी की मूर्ति के सामने किया था।

डॉक्टर एसएन सुब्बाराव का प्रारम्भिक जीवन

डॉक्टर एसएन सुब्बाराव का जन्म 7 फरवरी 1929 को बेंगलुरु में हुआ था। शुरुआत में इनकी प्रारंभिक शिक्षा बेंगलुरु से ही हुई थी उसके बाद इनकी उच्च शिक्षा के लिए रामा कृष्णा वेदांता कॉलेज मल्लेश्वरम बेंगलुरु में अपनी आगे की पढ़ाई को पूरा किया। डॉक्टर सुब्बा राव ने अपने जीवन में सबसे अधिक प्रेरणा महात्मा गांधी से ली थी या यह भी कहा जा सकता है कि उनकी प्रेरणा के प्रमुख हीरो महात्मा गांधी जी थे, उन्होंने भारत की स्वतंत्रता में भी अपनी बहुत बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

देश की अमूल्य धरोहर के रूप में जाने जाते थे

डॉक्टर एसएन सुब्बाराव सामाजिक कार्यकर्ता भी रहे हैं। इसके अलावा अगर उनकी व्यक्तित्व के बारे में बात की जाए देश के लिए उन्होंने बहुत बड़े–बड़े काम किए है। यहां तक कि देश की आजादी में भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अलावा भारत के गवर्नर के रूप में भी वह जाने जाते हैं। इन्होंने कभी भी अपना पहनावा नहीं बदला हमेशा हाफ पेंट और शर्ट पहन कर रहते थे। इनके अंदर अटल विश्वास अदम्य साहस निर्भीकता इनकी वजह से देश की अमूल्य धरोहर के रूप में भी जाने जाते थे।

बचपन से ही रहे क्रांतिकारी

डॉ सुब्बाराव बचपन से ही क्रांतिकारी विचारधारा वाले रहे हैं। उनके क्रांतिकारी जीवन की शुरुआत मात्र 13 साल की उम्र से ही हो गई थी। सन 1942 में गांधी जी ने अंग्रेजों को भारत छोड़ो का आदेश दिया था, उस समय यह बेंगलुरु के स्कूल में पढ़ाई कर रहे थे।

13 साल की उम्र में डॉक्टर सुब्बाराव को कुछ नहीं समझ में आया और उन्होंने स्कूल के दीवारों पर अंग्रेजों भारत छोड़ो लिखना शुरू कर दिया, इसके लिए इनको जेल भेज दिया गया। सरकार ने इनकी कम उम्र की वजह से इनको जेल में नहीं रखा। इस प्रकार से आजादी के संघर्ष में 13 साल की उम्र से ही इन्होंने बहुत बड़ी भूमिका निभाना शुरू कर दिया था।

महात्मा गांधी से थे प्रभावित

डॉ सुब्बाराव ने अपना सारा जीवन समाज सेवा में ही बिता दिया था। एक का सबसे प्रमुख कारण महात्मा गांधी थे, उन्होंने महात्मा गांधी के जीवन से प्रभावित होकर ही अपने पूरे जीवन को समाज सेवा में लोगों की मदद करने में लगा दिया था। महात्मा गांधी के मरने के बाद भी यह उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते रहे उनके अधूरे कामों को भी डॉक्टर सुब्बाराव ने पूरा किया।

654 डकैतों को करवाया था आत्मसमर्पण

डॉ सुब्बाराव ने 14 अप्रैल 1972 को गांधी सेवा आश्रम जोरा में 654 डकैतों को महा के एक समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण और उनकी पत्नी प्रभा देवी के सामने एक साथ सामूहिक समर्पण करवाया था। इन डकैतों में 450 लोगों को जोरा आश्रम में और 100 डकैतों को राजस्थान के धौलपुर

में गांधी जी की तस्वीर के सामने उन सभी के हथियारों को डालकर आत्मसमर्पण करवाया।

डॉक्टर सुब्बा राव ग्वालियर में चंबल संभाग में भाई जी के नाम से जाने जाते थे, उन्होंने जोरा में

- साल 2002 में इनको विश्व मानवाधिकार प्रोत्साहन पुरुष्कार दिया गया था।
- साल 2003 में इनको राजीव गाँधी नेशनल सद्भावना अवार्ड दिया गया था।

गांधी सेवा आश्रम की नींव रखी थी। वहां पर आज भी एक एनजीओ चलाया जा रहा है। यह श्योपुर तक के गरीब और जरूरतमंद कुपोषित बच्चों के लिए काम कर रहा है। आदिवासियों को मूल विकास की धारा में लाने के लिए भी इसमें सभी कार्यकर्ता मेहनत और लगन के साथ काम कर रहे हैं। डॉक्टर सुबाराव राष्ट्रीय सेवा योजना के सदस्य भी रहे हैं इन्होंने नेशनल यूथ प्रोजेक्ट की स्थापना की थी।

डॉ. सुब्बाराव की उपलब्धियां

इन्होने अपने जीवन में कई पुरस्कार जीते है, जिनके बारे में जानकारी नीचे दी गयी है।

- 14 अप्रैल 1972 को इनको भारत के राष्ट्रपति द्वारा पदमश्री अवार्ड दिया गया था।
- इनको 1995 में नेशनल युथ अवार्ड दिया गया था।
- अगला अवार्ड भारतीय एकता पुरुस्कार से रूप में दिया गया था।
- इसको साल 2003 का दूसरा अवार्ड राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भावना पुरुस्कार मिला था।
- जमनालाल बजाज पुरस्कार साल 2006 में दिया गया था।
- महात्मा गाँधी पुरुस्कार 2008 में दिया गया था।
- उसके बाद साल 2014 में तीन पुरस्कार लाइफ टाइम अचीवेमनेट अवार्ड, महात्मा गाँधी प्रेरणा पुरुस्कार, राष्ट्रीय सद्भावना एकता अवार्ड डॉ. सुब्बाराव को दिए गए थे।

डॉ. संजय कुमार राजपूत
संकाय सदस्य

पौधारोपण एक मुहिम ''पेड़ है तो कल है''

दिनांक 02 जुलाई 2017 को म.प्र. सरकार द्वारा प्रदेश में 5 करोड पौधारोपण का लक्ष्य रखते हुए रोजगार ग्यारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत इस कार्य को पूर्ण करने के आदेश जारी किये गये थे, इसी के परिपालन में शाजापुर जिले के जनपद पंचायत शाजपुर की समस्त ग्राम पंचायतों में भी पौधारोपण किये गये जिसमें सर्वश्रेष्ठ पौधारोपण ग्राम पंचायत कुकडी में किया गया जिसमें से लगभग 85 प्रतिशत आज भी जीवीत है। इस मुहिम का प्रारंभ तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत के द्वारा शुरू किया गया था जिसके अंतर्गत अभी तक कुल 6000 पौधे (फलदार एवं छायादार पौधे नीम, करंज, आंवला, पीपल, आम) रोपे जा चुके हैं।

वीरान पड़ी पहाडी (सरकारी बड़ला) अब हरी भरी हो चुकी है। ग्राम वासियों के सहयोग, ग्राम पंचायत (सरपंच–रेखाबाई राजपूत, सचिव–संजय सक्सेना, रोजगार सहायक–दरियाव सिंह पंवार) के आपसी समन्वय एवं पौधरक्षक के समर्पण में ही यह संभव हो पाया है। वर्तमान जिला सी.ई.ओं एवं कलेक्टर महोदय द्वारा भी इसका निरीक्षण कर सराहा गया है।

कोविड महामारी के दौरान जहां कुत्रिम ऑक्सीजन न मिलने के कारण बहुत त्रासदी हुई कई पीड़ितो के परिवारजन 1 आक्सीजन सिलेण्डर के लिए घंटों लंबी कतार में खड़े रहे वही वृहद पैमाने पर ऐसे पौधारोपण से शुद्ध ऑक्सीजन के साथ कई मजदूरों को रोजगार भी मिला है ग्राम पंचायत द्वारा प्रतिवर्ष 1200–1500 पौधारोपण निरंतर करवाया जा रहा है। इससे भूमिगत जल स्तर में भी वृद्धि हुई है।

श्रीमती पूजा मालाकार
सहायक संचालक

ग्रामीण विकास में सहायक है मास्टर रिसोर्स परसन (एमआरपी)

भारत गांव में बस्ता है और ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत एवं ग्रामीण विकास के माध्यम में ग्राम पंचायत विकास कार्य में धूरी के रूप में कार्य करती है।

ग्रामीण विकास में प्रशिक्षण संस्थान भी योजनाओं को पूर्ण स्वरूप में कार्य क्रियान्वयन हेतु पंचायतराज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों एवं संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों एवं शासकीय कर्मियों एवं अधिकारियों को राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान हैदराबाद (तेलगाना) महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान आधारताल जबलपुर एवं क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र सिवनी नौगांव इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर के माध्यम से सशक्त किया जाता है प्रशिक्षण को क्षेत्रीय स्तर पर और सशक्त करने हेतु एन.आई.आर.डी.पी. अगर हैदराबाद ने महात्मा गांधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान जबलपुर की पहल पर मध्यप्रदेश मास्टर रिसोर्स परसन (एम.आर.पी.) का गांव–गांव से योग्य व्यक्ति को चयन कर चार दिवसीय परीक्षा आयोजित कर प्रमाणित मास्टर रिसोर्स परसन सभी जिलों जनपद पंचायत में दो से तीन एम.आर.पी प्रमाणित (Certified NIRDPR Hydrabad) कर क्षेत्रीय प्रशिक्षणों में योगदान हेतु किया गया यह नवाचार पंचायतराज संस्थाओं को सशक्त करने में सहायक सिद्ध हुआ।

श्री राजेश तिवारी भी एम.आर.पी. जनपद पंचयत अमरवाडा जिला छिन्दवाडा (मध्यप्रदेश) में एम.आर.पी. की अपनी भूमिका को निभा रहें है। राजेश तिवारी एम.आर.पी. के अतिरिक्त अनुपम प्रगति शिक्षा समिति सदस्य के साथ–साथ एक कुशल योगा प्रशिक्षक भी है। समिति द्वारा अमरवाड़ा क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण, साक्षर भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, कोरोना काल में मास्क वितरण, सामाजिक दूरी एवं सावधानियों को लोगों के बीच समझाने जैसे कार्य किये गए। संस्था के गठन और पंजीयन से पूर्व व्यक्तिगत सामाजिक गतिविधियों की जानकारी आए अवगत कराना चाहूंगा। जिनसे एक सफलता की कहानी का जन्म होता है। देश सेवा एवं समाज सेवा की चाह ने एक ऐसा रूचि का जन्म दिया, जिसका आरंभ महाविद्यालयीन गतिविधियों से साथा प्रारंभ हुआ। महाविद्यालय पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना जैसी इकाई से जुडकर लोगों के मध्य देश हित के लिए, सामाजिक हित और जन जागरण के कार्य की रूचि जागृत हुई। फलस्वरूप छात्र छल्ल्ए लियों क्लब, लायन्स क्लब जैसे अनेक सामाजिक संगठनों से जुडकर, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर अलग–अलग क्षेत्रों में विविध सेवा कार्यो को अंजाम दिया गया। जहां

निःशुल्क नेत्र शिविर, रक्त दान जैसे शिविरों में भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उस समय पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, शिक्षा मतदाता जागरूकता और जनसंख्या नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण संकल्पों के उद्देश्य से अपने 6 साथियों के साथ अमरवाड़ा से तामियो आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र हेतु लगभग 225 किमी की पैदल यात्रा ट्रैकिंग करते हुए, अमरवाड़ा से छिंदवाड़ा मुख्य मार्ग पर भुमका घाटी से एक नए जंगली मार्ग का सर्वे करते हुए विभिन्न ग्रामों से होते हुए तामिया रेस्ट हाउस तक पहुंचना, जिसके अंतर्गत आदिवासियों और ग्रामीणजनों के मध्य पहुंचना, जिसके अंतर्गत आदिवासियों और ग्रामीणजनों के मध्य पहुंचकर साथियो के साथ उक्त उद्देश्यों के संदर्भ में प्रेरणा देने का कार्य चुनौतीपूर्ण था, यह का कार्य चुनोतीपूर्ण था, यह सम्पन्न कर वन विभाग को सम्पूर्ण ट्रेकिंग मार्ग का नक्शा बनाकर दिया जिसमें आने वाले जंगल, नदी नाले, कच्चे मार्ग की जानकारी भी थी। उस पुनीत कार्य में जिला कलेक्टर, वन विभाग के उच्चाधिकारी तथा संस्थाओं का सहयोग रहा। इकसा परिणाम एक सामाजिक ख्याति के रूप में प्राप्त हुई, देश के अन्तर्राष्ट्रीय विद्वान श्री एस एन सुब्बाराव जैसे महान समाज सेवक के साथ मिलकर कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। जिन्होंने राष्ट्रीय युवा योजना का गठन कर युवाओं को सामाजिक क्षेत्र में जन जागरण करने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय एकता शिविर शोध कार्य शालाओं जैसे मंचो पर जाने का अवसर प्राप्त हुआ। विभिन्न प्रकार से लोगों से प्रेरित होकर लेखन कार्य, काव्य पाठ, संगीत तथा समाज सेवा, इन कार्यो ने लोगों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में स्थापित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

संपूर्ण तहसील में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य जब कंप्यूटर जैसे यंत्रो का आरंभ हुआ तब संपूर्ण अमरवाडा तहसील में घूम घूम कर लोगों के मध्य, विद्यार्थियों के मध्य, अभिभावकों के मध्य, शिक्षकों के मध्य, शासकीय अधिकारियों? कर्मचारियों के मध्य जा–जाकर कंप्यूटर शिक्षा और इसका उपयोग हेतु लोगों को मार्गदर्शन कर कंप्यूटर शिक्षा हेतु प्रेरित किया गया। जिसका परिणाम यह हुआ कि अपने द्वारा पढ़ाए गए अनेक विद्यार्थी गण वर्तमान में अलग–अलग कार्यालयों में आज रोजगार प्राप्त कर शासकीय और अशासकीय संस्थाओं में अपनी सेवा दे रहे हैं, तो वही बहुत से विद्यार्थी स्वयं का कंप्यूटर संबंधी रोजगार स्थापित किए हुए है। और अपने परिवार का जीवन यापन कर रहे है। उस दौरान शासकीय अनुदान में अनेक विद्यार्थियों को निःशुल्क कंप्यूटर शिक्षा का प्रशिक्षण भी राजेश तिवारी द्वारा प्रदान किया गया। अनेक प्रमाण पत्र विद्यार्थियों को प्रदान किए गए जो उनके रोजगार में सहायक सिद्ध हुई वर्तमान समय में बैकिंग तथा क्योस्क बैकिंग संबंधी कार्य कर विगत दिनों प्रधानमंत्री जनधन योजना तथा अन्य खातों के लिए लगभग 27000 खाते अपने क्षेत्र में खोलकर एक नया कीर्तिमान राजेश तिवारी द्वारा बनाया गया। फलस्वरूप बैकिंग प्रबंधन तथा आईसेक्ट द्वारा प्रदेश में सर्वश्रेष्ठ क्योस्क बैकिंग हेतु विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। वर्तमान समय में इन समस्त खाता धारियों को बैकिंग हेतु विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। वर्तमान समय में इन समस्त खाता धारियों को बैकिंग सुविधाएं इनके द्वारा प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त बीमा संबंधी कार्यो हेतु भारतीय जीवन बीमा निगम से जुडकर अनेक लोगों को लाभान्वित किया गया है, फल स्वरूप भारतीय जीवन बीमा निगम ने अनेक बार राजेश तिवारी को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सम्मानित भी किया है।

वर्ष के दो महत्वपूर्ण शासकीय कार्यक्रम जिसमें सामूहिक सूर्य नमस्कार तथा विश्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दोनों अवसरों पर तहसील अमरवाड़ा के मुख्य इंदिरा गांधी स्टेडियम ग्राउंड के विशाल प्रांगण में मंच पर राजेश तिवारी योग शिक्षक के रूप में संपूर्ण नगर, संपूर्ण विद्यालयों, विभागों संबंधी जनों को इन दोनों अवसरों पर संपूर्ण कार्यक्रम की बागडोर संभालते है। तथा अपने अन्य योग शिक्षकों के साथ इन कार्यक्रमों का विद्यालयों तथा स्थानों पर पूर्व अभ्यास भी कराते है। समय–समय पर विद्यालयों ग्रामों, ग्राम पंचायतों तथा जेल परिसर जैसे स्थानों पर योग के शिविर लगाकर स्वास्थ्य गतिविधियों के साथ–साथ चरित्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्तमान समय में कोरोना वायरस महामारी जिससे संपूर्ण विश्व जूझ रहा है इन दिनों भी राजेश तिवारी ने समाज के बीच अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ विविध कार्य किए हैं जिनमें –

1. अपनी जनपद अमरवाडा के 71 ग्राम पंचायत में निवासरत जनसामान्य एवं हितग्राहियों को स्वछता संदेश देकर हाथ बार धोने, घर पर रहने, मास्क या गमछे का उपयोग करने तथा कोरोना वायरस से बचाव हेतु सामाजिक दूरी बनाकर रहने सम्बन्धी जानकारियों से अवगत कराया तथा पुलिस प्रशासन के साथ उचित सहयोग प्रदान किया ।

2. प्रधानमंत्री राहत कोष में लोगों से दान राशि जमा करने हेतु अपील किया, जिसमें सफलता भी मिली। सेवानिवृत्त तथा सेवारत कर्मचारियों, व्यापारियों ने भी इस कोष में धनराशि जमा की गई जिससे इस महामारी काल में लोगों को यथासम्भव मद्द हो सके।

3.कोरोना काल में जिन लोगों के खातों में प्रधानमंत्री जनधन योजना द्वारा शासन से राशि आई है उन्हें बैकिंग सहयोग करन उनके खातों से बैंक तथा ग्राहक सेवा केंन्द्र के माध्यम से राशि आहरण कराने में सहयोग किया गया।

4. बाहर से आये लोगों को सहयोग कर उन्हें चिकित्सकीय परामर्श तथा शासन के संरक्षण में भेजा गया।

5. जरूरतमन्दों को भोजन, अनाज, मास्क वितरण में अलग अलग स्थानों ओर लोगों की उचित सहयोग किया गया।

6. नगरपालिका के सहयोग से नगर के विविधि स्थानों पर सेनेटाइज्र करवाया गया साथ ही क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र सिवनी के द्वारा ऑन लाइन जो कोरोना महामारी के लॉकडाउन दौरान

आयोजित किये गये थे इन प्रशिक्षणों में भी राजेश तिवारी द्वारा अतिथि वक्ता के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

NIRDPR हैदराबाद तथा MGSIRDPR जबलपुर, वाल्मी भोपाल आदि जो शासकीय प्रशिक्षण प्रदान करने वाली देश की महत्वपूर्ण संस्थाए है यहां से मास्टर रिसोर्स पर्सन एम.आर.पी. का प्रशिक्षण परीक्षा पूर्ण कर एम. आर.पी. का योग्यता प्रमाणपत्र भी प्राप्त किया गया। जिसके आधार पर जिला पंचयत स्तर कर शासकीय प्रशिक्षण देने हेतु अधिकृत होने का अवसर प्राप्त हुआ। फलस्वरूप शासकीय प्रशिक्षण जनपद पंचायत अमरवाड़ा

में दिए भी गए। जैसे जी.पी.डी.पी. प्रोग्राम, स्वच्छता ग्राही हेतु प्रशिक्षण, ग्राम पंचायतों के सचिव, रोजगार सहायक हेतु प्रशिक्षण इत्यदि।

राजेश तिवारी द्वारा विगत समय में स्वास्थ्य एवं जागरूकता अभियान,स्वच्छ भारत अभियान, साक्षर भारत अभियान, पर्यावरण सुरक्षा, मतदाता जागरूकता अभियान प्रोढ शिक्षा, पंचायत राज ग्राम विकास योजना, समाज कार्य में नेतृत्व विकास विकास के लिए संचार और जीवन कौशल, बाल विकास सुरक्षा और शिक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य देखभाल, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, महिला विकास एवं सशक्तिरण, ग्राम पंचायतों में कंप्यूटर कौशल, विधिक साक्षरता, उधमिता विकास, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, स्वयंसेवी संगठनों का गठन एवं प्रबंधन, ग्राम वासियों को विकेद्रीकृत नियोजन के अंतर्गत योजना निर्माण में समुदाय एवं ग्राम सभा की भूमिका, स्कूल चले अभियान, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जंगलों में भूमि संरक्षण और जैव विविधता के बढ़ते नुकसान को रोकने हेतु जन जागरण, फलदार छायादार पौधों का वृक्षारोण, कृषि की विविधता जैसे रेशम, कीट मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, सब्जी उत्पादन, पशुपालन आदि के संदर्भ में शासकीय योजनाओं का प्रचार प्रसार कर लोगों को जन जागरण करना, ग्राम वासियों को गंदगी के विभिन्न कारणों के प्रति जागरूक कर स्वच्छता अभियान चलाना तथा गांव को कचरे एवं गंदगी से मुक्त कराना, शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रति लोगों के मध्य जन जागरण करना, ग्राम में संचालित शासकीय योजनाओं की सूची बनाना, पात्र हितग्राहीयों को उनके उपयुक्त

शासकीय योजनाओं से जोड़ने का प्रयास करना तथा उन योजनाओं का लाभ लेने हेतु आमजन को प्रोत्साहित करने जैसे कार्य, बीमारियों की रोकथाम निवारण आहार एवं पोषण के महत्व के प्रति ग्राम वासियों को जगारूक करना, लोगों को जन्म से लेकर मृत्यु तक के शासकीय दसतावेजों की अनुमति से प्रमाण पत्र बनवाने तक के कार्यो को लोगों को बताना ग्राम वासियों के सहयोग से ग्राम में उपलब्ध जल स्त्रोतों जैसे कुआं, नाला, तालाब, बावडी, नहर नदी इत्यादि का संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए अभियान चलाकर कार्य करना तथा स्थानीय आवश्यकता एवं वातावरण के अनुसार जल संरक्षण हेतु आवश्यक संरचनाओं का निर्माण करना इत्यादि कार्यों में विविध कार्य अलग—अलग पंचायतों में किया है।

इन सभ विषयों से सन्दर्भित अनेक शासकीय प्रशिक्षण राजेश तिवारी ने विभिन्न शासकीय संस्थाओं द्वारा प्राप्त किया है। ज्ञात है कि पूर्व में जनअभियान परिषद के साथ मिलकर नगर के हृदय स्थल में नगर का एकमात्र तालाब जो गंदगी और घास फूस से सराबोर था तत्कालीन एसडीएम श्री के सी बोपचे एवं नगरपालिका के सहयोग से उस तालाब का स्वच्छता एवं गहरीकरण तथा सौंदर्यीकरण जैसे महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण कार्य को पूर्ण किया। जिसे तत्कालीन कलेक्टर श्री जैन द्वारा भी मौके पर आकर सराहा गया। इस प्रकार अनेक प्रकार के कार्यो में संलग्न रोजश तिवारी वर्तमान में एन.आई.आर.डी.पी.आर. हैदराबाद डळैप्त्क्च्‌ श्रंइंसचनतए म्ज्ब्ै म्छछ्ए के कुयरल प्रशिक्षकों एवं मार्गदर्शकों से प्रशिक्षित होकर कुशल एम.आर.पी. के रूप में एक सैनिक की भांति समाज के मध्य प्रदेश सेवा, समाज सेवा हेतु तैयार है। इनकी सभी सकारात्मक गतिविधियों को देखते हुए वर्तमान में नवगठित एक राष्ट्रीय संगठन प्रधानमंत्री जनकल्याण जागरूकता अभियान के जिला इकाई में महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद का दायित्व सौंपा गया। जिकसा उद्देश्य प्रधानमंत्री जी की शासकीय योजनाओं का जन जन तक प्रचार प्रसार कर लोगों को जागरूक करना है।

श्री राजेश तिवारी एम.आर.पी. द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं योगा एवं ग्रामीण विकास को विभिन्न योजनाओं में समाजसेवक की महत्पूर्ण भूमिका निभा रहें है।

मध्यप्रदेश के सभी एम.आर.पी. को राजेश तिवारी से प्रेरणा ले कर वह सब कार्य करना चाहिए जिसकी आवश्यकता गांव को है श्री संजय कुमार सराफ संचालक महात्मा गॉधी राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज संस्थान जबलपुर के सार्थक प्रयास के कारण ही मध्यप्रदेश में मास्टर रिसोर्स परसन अपनी अलग पहचान बना रहे है।

सी.के. चौबे,
संकाय सदस्य

कोविड–19 के संक्रमण के बचाव हेतु किये गये कार्य

जिला पंचायत बैतुल की जनपद पंचायत आमला के तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायतों में कोरोना वायरस कोविड–19 के संक्रमण से बचाव हेतु किये गये कार्य के कुछ बिन्दु निम्नानुसार है। कोरोना वायरस के रोकथाम हेतु जनपद पंचायत आमला में समस्त मैदानी अमला द्वारा सभी 68 ग्राम पंचायत एवं 145 ग्रामों में विभिन्न जागरूकता के आवश्यक कदम उठाये गये व जनता को प्रेरित करने का कार्य किये जो निम्नानुसार है।

1. मुनादी का कार्य :– जनपद पंचायत आमला की प्रत्येक ग्राम पंचायत के ग्रामों में विभिन्न मुनादी का कार्य किया जिसमें ग्रामीणों को 1 मीटर की दूरी मेनटेन करने हेतु दिवार लेखन, दोण्डी पिटवाकर एवं लाउडस्पीकर के द्वारा लोगों को समझाईश दी गई एवं लॉकडाउन का पालन करने के निर्देश दिये गये।

2. मंदिरों व सार्वजनिक स्थलों से प्रेरित करना – जनपद पंचायत आमला क्षेत्रान्तर्गत 68 ग्राम पंचायतो में दिवार लेखन ग्रामों के मंदिरों में लगे लाउडस्पीकर से अनाउसमेन्ट कराकर ग्रामीणों को प्रेरित किया गया। कोरोना के लक्षणों व उपायो से अवगत कराया गया ।

3. बाहर से आये व्यक्तियों को क्वारंटाइन करना – ग्राम पंचायत में सुविधा अनुसार ग्राम पंचायत भवन/सामुदायिक भवन में दूरियॉ बनाते हुये उनके व्यक्तियों के भोजन एवं अन्य सुविधाओं का समुचित ध्यान रखा गया।।

4. मास्क एवं सेनटाइजर का वितरण – ग्राम पंचायतों में समुह द्वारा निर्मित मास्क ग्रामीणों को बांटे गए तथा सेनेटाइजर का छिड़काव के साथ–साथ दिन में अधिक से अधिक हाथ धुलाई की सलाह दी गई।

5. सीमा पर बाहरी व्यक्ति के प्रवेश की जांच पड़ताल – ग्राम पंचायत में बाहरी व्यक्ति के प्रवेश की जांच पड़ताल की गई क्योकि जनपद पंचायत आमला की ग्राम पंचायतों की सीमा छिन्दवाडा जिले के सीमा क्षेत्र से लगा हुआ है उसके लिये सीमा क्षेत्र की ग्राम पंचायते व प्रशासन की मदद से बिना जांच पड़ताल के प्रवेश नही दिया गया था।

6. समय–समय पर खण्ड स्तर की बैठक का आयोजन – जनपद पंचायत आमला अन्तर्गत समस्त विभागों के प्रमुखों की समय–समय पर जनपद पंचायत में बैठक आहुत कर महामारी की समस्याओं को निपटाने हेतु बैठकों का आयोजन जनपद पंचायत के तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा की गई। किसानों को खेती कार्य, फसल कटाई व अन्य खेती संबंधी कार्य में कठिनाई न हो उसके लिये कटाई सामग्री, रस्सी आदि सुविधानुसार उपलब्ध हो इसके लिये दुकानों की जानकारी उपलब्ध कराई गई उक्त सभी कार्य हेतु माननीय क्षेत्रीय विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों एवं शासकीय अमला के साथ समन्वय बैठक की गई।

7. खाद्यान वितरण व्यवस्था – शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से सीधे घर पहुच खाद्यन्नों का राशन ग्राम पंचातयों के सहयोग से वितरण कर सोशल डिसटेन्स का पालन करते हुये पहुचाया गया।

उक्त सभी जागरूकता संबंधी कार्य किये गए साथ ही आवश्यक दिशा निर्देशों का ग्रामीण क्षेत्रों में पालन ग्राम स्तर पर तैनात मैदानी अमला, जैसे सचिव, सरपंच, ग्राम रोजगार सहायक, स्वास्थ्य विभाग की टीम, महिला एवं बाल विकास, राजस्व विभाग, पुलिस प्रशासन आदि मुख्य कार्यपालन अधिकारी के समन्वय प्रयास निरंतर किये गए जिसका जनपद पंचायत स्तर पर क्रियान्वयन कोरोना कन्ट्रोल रूम द्वारा निगरानी, मॉनिटरिंग सतत् की गई।

संस्कार बावरिया,
मु.का.अ.ज.पं.

सफलता की कहानी

यह कहानी है मध्यप्रदेश के जिले कटनी तहसील रीठी के ग्राम पंचायत हथकुरी के निवासी श्री सुधीर जैन की जिनके द्वारा कुल 20.20 एकड के दो बगीचो तैयार किए है। श्री सुधीर जैन की सतना रोड पर एक सुविधा सेल्स के नाम से एक भाप है । जिसमे श्री सुधीर जैन द्वारा किरलोस्कर कंपनी के पंप के विकेता साथ ही साथ कृषि उपकरण, कृषि से संबंधित पाईप लाईन, मोटर ,स्प्रीन्कलर इत्यादि के विकेता भी है। श्री सुधीर जैन ने बीएससी एग्रीकल्चर की पढ़ाई की है। वे एक कुशल व्यवसायी है। इनके परिवार मे कुल 6 भाई है तथा स्वयं के 2 बेटे है। परिवार की कुल जमीन 250 एकड़ है । जिसमे से स्वयं की लगभग 100 एकड के जमीन के मलिक वे स्वयं है। इन्हौने कभी मिटटी का परीक्षण नही कराया परंतु स्वयं कृषि स्नातक होने से समझ के कारण यह जानते है । कि काली मिटटी मे फास्फोरस की मात्रा कम होने के कारण से फल पेडो मे देरी से आते है। लाल मिटटी मे यह समस्या नही होती है जिससे उसमे फल आने मे देरी नही होती है । श्री सुधीर जैन द्वारा कुल 20.20 एकड के दो बगीचो तैयार किए जिसमे से एक बगीचा लगभग पन्द्रह साल पुराना है । इस बगीचे मे एक बहुत बडा कुऑ है जिसे श्री सुधीर जैन ने खुदवाया है श्री जैन बताते है कि ज्यादा गहराई मे पानी की उपलब्धता नही है उथले मे पानी पर्याप्त मात्रा मे है वेसे तो पूरा रीठी तहसील मे पानी की भरपूर समस्या है किन्तु ग्राम पंचायत हथकुरी मे ऐसी समस्या नही है पानी की सिचाई के लिए स्प्रीन्कलर का एवं पाइपो का प्रयोग किया जाता है ।

श्री सुधीर जैन ने बताया कि एक 20 एकड के प्रथम बगीचे मे आम के 220 पौधे है जिसे 15 वर्श पहल लगाया गया था । आम के इन पौधो की उचाई आज 25 से 30 फुट है। इस वर्ष आम लगभग 5 लाख रू का बेचा था । इसी बगीचे मे 15 से 20 अमरूद के पौधे, 60 से 70 पौधे अनार के 15 से 20 पौधे मोसंबी के 12 से 15 केले के पौधे है । इन्ही पौधो के बीच मे सब्जी भी लगाई जाती है जैसे आलू, लौकी, गिलकी, सेम, तरबूज, खरबूज मौसम के अनुसार भी लगाए जाते है । भटा यानि बैगन लगभग 2 लाख रूपए के बेचे है ।अमरूद के लिए इलाहाबादी सफेद अमरूद की किस्म लगाई है । अमरूद के पौधे इन्होने खुद के परिवार के लिए लगाए है । जिसे बाजार मे बेचते नही है । बगीचे मे कार्य करने के लिए इलाहाबाद से कु ाल कारीगर बुलाए है जिनके द्वारा बगीचे के कार्य एवं देखभाल किया जाता है । पूरे कार्य को ठेके पर दिया गया है । जिसे वे समय समय पर स्वयं भी देखते है।

श्री जैन ने बताया कि एक 20 एकड के द्वितीय बगीचे मे आम के 200 से 250 पौधे, मोसंबी के 350 से 400 पौधे जो कि चार वर्ष पूर्व लगाया गया है इनकी उचाई लगभग 7 से 8 फीट है । इस वर्ष लगभग 250 क्विटल आलू एवं 60 से 70 क्विंटल प्याज का उत्पादन हुआ है । इस प्रकार श्री जैन ने अपने आप को एक सफल किसान के रूप मे अपने आप को स्थापित किया है ।

अभिषेक नागवंशी,
संकाय सदस्य

''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'' – काव्य रचना

''एक कवि नदी के किनारे खड़ा, तभी वहां से एक लड़की का शव
नदी में तैरता हुआ जा रहा था, तो कवि ने उस शव से पूछा''

''कौन हो तुम ओ सुकुमारी, बह री नदिया के जल में,
कोई तो होगा तेरा अपना, मानव निर्मित इस भूतल में''

''किस घर की तुम बेटी हो, किस क्यारी की कली हो तुम''
किसने तुमको छला है बोलो, क्यों दुनिया छोड़ चली हो तुम''

''किसके नाम की मेंहदी बोलो हाथों पर रची है तेरे,
बोलो किसके नाम की बिंदिया माथे पर लगी है तेरे''

''लगती हो तुम राजकुमारी या देव लोक से आई हो,
उपमा रहित ये रूप तुम्हारा ये रूप कहाँ से लाई हो''

कवि की बातें सुनकर, लड़की की आत्मा बोलती है –

''कविराज मुझको क्षमा करो, गरीब पिता की बेटी हूँ

इसलिए मृत मीन की भाती जल धारा पर लेटी हूँ''

''रूप रंग और सुन्दरता ही मेरी पहचान बताते हैं

कंगन, चूड़ी, बिंदी, मेंहदी सुहागन मुझे बनाते हैं''

''पिता के सुख को सुख समझा पिता के दुख में दुखी थी मैं,

जीवन के इस तन्हा पथ पर पति के संग चली थी मैं''

''पति को मैंने दीपक समझा उसकी लौ में जली थी मैं,

माता पिता का साथ छोड़ उसके रंग में ढ़ली थी मैं''

''पर वो निकला सौदागर लगा दिया मेरा भी मोल

दौलत और दहेज की खातिर पिला दिया जल में विष घोर''

''दुनिया रूपी इस उपवन में छोटी सी एक कली थी मैं,

जिसको माली समझा था मैंने उसी के द्वार छली थी मैं''

''ईश्वर से अब न्याय मांगने शव शैय्या पर पड़ी हूँ मैं

दहेज के लोभी इस संसार में दहेज की भेंट चढ़ी हूँ मैं''

दहेज की भेंट चढ़ी हूँ मैं''।

आर.डी. कतरौलिया,
संकाय सदस्य